

.....

.....



.....

.....

8

.....



" अष्टवर्षे चतुर्वेदी द्वादशे सर्वशास्त्र वित् "
" षोडशे कृतवान् भाष्यम् द्वात्रिंसे मुनिर्भयते "

-: अर्थात् :-

-: जगतगुरु श्री शंकराचार्य :-

आचार्य के विषय में प्रसिद्ध है की 8 वर्ष की आयु में
चारों वेदों का अध्ययन 12 वर्ष तक सर्व शास्त्रवेत्ता 16 वें वर्ष में
भाष्य रचना व 32 वर्ष में प्रयाण हुआ।

॥ ॐ श्री सद्गुरु चरणकमलेभ्यो नमः ॥